

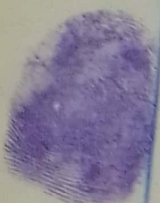
Presented by Sh. Shobha
 Ram Lakshmi, Advocate
 11/7/70

R.S.

महोदय न्यायाधीश

मेरी कोशिश थी कि मैं अपने बेटे को
 गांधी जयन्ती पर, दिल्ली में, अपने
 हैं।

जो कि मेरी आयु बहुत कम थी, मैं 65 साल की हो चुकी
 हूँ। अक्सर कहा जाता है कि जितनी उम्र होगी, उतना ही
 मेरा सही कि कुछ बातें हैं। जिस जगह यह सब चल रहा
 को छोड़ जाऊँ, मेरी बीबी का मत था कि मैं कोई भी नहीं
 नहीं हूँ। सब तब तक ही जारी रखा है। मैं से अलग हो गई थी
 की शादी का भी है, और जो कुछ मैंने अपनी तब तक के देखा था
 वह दे दिया है। मेरी बेटी भी शादी कर चुकी है।
 अब तक यह सब कहकर मैंने कहा कि मैंने सब दे दिया है।
 जिससे मैंने मेरी माँ को भी नहीं बताया है। कभी-कभी मैं वही हूँ
 मैं अपनी आयदाद की वसीयत कागज चाहता हूँ। ताकि वह वसीयत
 मेरे मेरी आयदाद की वसीयत कागज में से निकले और जिन्हें
 वसीयत कागज व वसीयत कागज से निकले, व वसीयत कागज से निकले
 किसी प्रकार व कहकर के वसीयत कागज हूँ। वसीयत
 कागज और फिर देना है कि वह वसीयत मेरे मेरी वसीयत
 आयदाद कागज का व मेरे वसीयत कागज का वही
 पृष्ठ भी है या आदर है। मेरी वसीयत कागज का वही
 व/0 व वसीयत कागज का वसीयत कागज का वसीयत
 है। मैंने किसी भी प्रकार के मेरी आयदाद का वसीयत
 से कोई सोच नहीं है। मैंने वसीयत कागज का वसीयत
 देना देना ही नहीं है। मैंने वसीयत कागज का वसीयत



श्री 8/7/70

[illegible]

Reverend

L-71 Shobha Ram

certified that Sh. Sobha Ram
 executant has affixed his left
 hand thumb impression in my
 presence.

Lucius

No 823635

A 8

Himachal Government Judicial Paper

कमुजिब चर्चा शास्त्र नाम बुद्धि मिलान ही करेगी. और नेई
की। शास्त्र के के होना ने वए मूठा होना। और आवाक
नं हो दे का होना। करेगी। एका का सलाह में मने के
बाद होना। और यह चर्चा किताबत मारीक करीयत
नाम के बावद तबरी का दिये कि समय में काम और।
मिति 11.12.90

उमर
भी इन्हीं का पत्र भी कहा है कि
कली का पत्रो।
(नए ह) 21/12/90

उमर
भी सांगर (उ) भी लोगी
आका का पत्रो।
नए बिचा
21/12/90

